Sonam Bali
Assistant Professor (Guest Faculty)
Dept. of Geography
A.N.D. College, Shahpur Patory, Samastipur

1st Feb 2022
Tuesday

For B.A. - II (Hons)
Paper - III, Geography of India & Bihar

Lecture - 23

Scanned with CamScanner

UNIT-1

GANGES RIVER SYSTEM
गंगा नदी तंत्र

(कालीगंगा .... मिलती है। क्रमश...) गंगा नदी हरिद्वार में मैदान में प्रवेश करती है। यहाँ से यह पहले द० की ओर, फिर द०-पू० की ओर और फिर पू० की ओर बहती है। अंत में दक्षिणमुखी होकर दो जलवितरिकाओं (धाराओं) भागीरथी और पद्मा में विभाजित हो जाती है। इस नदी की लंबाई 2525 Km है। यह उत्तराखंड में 110 Km, उत्तर प्रदेश में 1450 Km, बिहार में 445 Km और प० बंगाल में 520 Km मार्ग तय करती है। गंगा द्रोणी केवल भारत में लगभग 8.6 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है। यह भारत का सबसे बड़ा अपवाह तंत्र है, जिसमें उत्तर में हिमालय से निकलने वाली बारहमासी व अनित्यवाही नदियाँ और दक्षिण में प्रायद्वीप से निकलने वाली अनित्यवाही नदियाँ शामिल हैं।

सोन इसके दाहिने किनारे पर मिलने वाली प्रमुख सहायक नदी है। बाएं तट पर मिलने वाली महत्वपूर्ण सहायक नदियाँ रामगंगा, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी व महानंदा हैं। सागर द्वीप के निकट यह नदी अंततः बंगाल की खाड़ी में जा मिलती है।

यमुना नदी → यह गंगा की सबसे प० और सबसे लंबी सहायक नदी है।

उद्गम :- इसका स्रोत यमुनोत्री हिमनद जो हिमालय में बंदरपूँछ श्रेणी की प० ढाल पर 6316 m ऊँचाई पर स्थित है।

Scanned with CamScanner

प्रयाग (इलाहाबाद) में इसका गंगा से संगम होता है। प्रायद्वीप पठार से निकलने वाली चंबल, सिंध, बेतवा, केन इसके दाहिने तट पर मिलती हैं। जबकि हिंडन, रिन्द, सेंगर, वरुणा आदि नदियाँ इसके बाएं तट पर मिलती हैं। इसका अधिकांश जल सिंचाई उद्देश्यों के लिए पश्चिमी और पूर्वी यमुना नहरों तथा आगरा नहर में आता है।

* नमामी गंगे परियोजना → यह एकीकृत संरक्षण मिशन है, जिसे जून 2014 में केंद्र सरकार द्वारा 'प्रमुख कार्यक्रम' के रूप में अनुमोदित किया गया। इसमें राष्ट्रीय नदी गंगा से संबंधित दो उद्देश्य हैं —
① प्रदूषण के प्रभाव को कम करना
② इसके संरक्षण और कायाकल्प को पूरा करना।

नमामी गंगे कार्यक्रम के प्रमुख स्तंभ —
① सीवेज ट्रीटमेंट व्यवस्था
② नदी - किनारे का विकास
③ नदी सतह सफ़ाई
④ जैव विविधता
⑤ वनीकरण
⑥ जन जागरूकता
⑦ औद्योगिक अपशिष्ट निगरानी
⑧ गंगा ग्राम

चंबल नदी → उद्गम :- मध्य प्रदेश के मालवा के पठार में महु के निकट निकलती है।
इसके बाद यह उत्तरमुखी होकर एक महाखड्ड से बहती हुई राजस्थान में कोटा पहुँचती है, जहाँ इस पर गाँधीसागर बाँध बनाया गया है। कोटा से यह बूंदी,

सवाई, माधोपुर और धौलपुर होती हुई यमुना नदी में मिल जाती है। चंबल अपनी उत्खात भूमि वाली भू-आकृति के लिए प्रसिद्ध है, जिसे चंबल खड्ड (RAVINE) कहा जाता है।

गंडक नदी → यह दो धाराओं कालीगंडक और त्रिशूलगंगा के मिलने से बनती है।

उद्गम :- यह नेपाल हिमालय में धौलागिरी व माउंट एवरेस्ट के बीच निकलती है और मध्य नेपाल को अपवाहित करती है।

बिहार के चंपारण जिले में यह गंगा के मैदान में प्रवेश करती है और पटना के निकट सोनपुर में गंगा नदी में जा मिलती है।

घाघरा नदी → उद्गम: मापचाचुंग हिमनद से निकलती है।
तिला, सेती व बेरी नामक सहायक नदियों का जलग्रहण करने के उपरांत यह शीशापानी में एक गहरे महाखड्ड का निर्माण करते हुए पर्वत से बाहर निकलती है। शारदा नदी (काली या काली गंगा) इससे मैदान में मिलती है और अंततः छपरा में यह गंगा नदी में विलीन हो जाती है।

कोसी नदी → उद्गम: तिब्बत में माउंट एवरेस्ट के उत्तर में, यहाँ से इसकी मुख्य धारा अरुण निकलती है।

नेपाल में मध्य हिमालय को पार करने के बाद इसमें प० से सोन, कोसी और पूर्व से तमुर कोसी मिलती है, अरुण नदी से मिलकर यह सप्तकोसी बनाती है।

रामगंगा नदी → उद्गम: गैरसेन के निकट गढ़वाल की पहाड़ियों से निकलने वाली अपेक्षाकृत

छोटी नदी है। शिवालिक को पार करने के बाद यह अपना मार्ग द०-प० दिशा की ओर बनाती है और उत्तर प्रदेश में नजीबाबाद के निकट मैदान में प्रवेश करती है। अंत में कन्नौज के निकट यह गंगा नदी में मिल जाती है।

दामोदर नदी → छोटा नागपुर पठार के पू० किनारे पर यह बहती है और भ्रंश घाटी से होती हुई हुगली नदी में गिरती है। बराकर इसकी मुख्य सहायक नदी है। यह बंगाल का शोक (Sorrow of Bengal) के नाम से जानी जाती है। अब यह नदी दामोदर घाटी कार्पोरेशन नामक बहुद्देशीय परियोजना के वश में है।

शारदा /सरयू नदी → उद्गम: नेपाल हिमालय में मिलाम हिमनद, यहाँ इसे गौरीगंगा के नाम से जाना जाता है। यह भारत - नेपाल सीमा के साथ बहती हुई घाघरा नदी में मिल जाती है। यहाँ इसे काली या चाइक कहा जाता है।

गंगा नदी की एक महत्वपूर्ण सहायक नदी महानंदा है, जो दार्जिलिंग पहाड़ियों से निकलती है। यह नदी प० बंगाल में गंगा के बाएं तट पर मिलने वाली अंतिम सहायक नदी है। गंगा के द० तट पर सोन एक बड़ी सहायक नदी है, जो अमरकंटक पठार से निकलती है। पठार के उ० किनारे पर जलप्रपातों की श्रृंखला बनाती हुई यह नदी पटना से प० में आरा के पास गंगा नदी में विलीन हो जाती है।